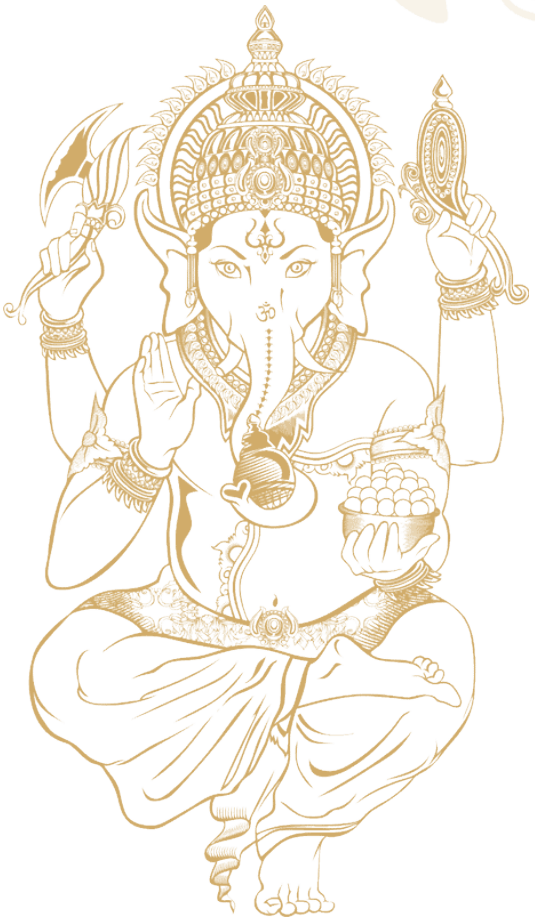

Ms Jayashri J Shinde

21 Jan 1971

09:50 PM

Peth

Model: web-freekundliweb

Order No: 119508002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/01/1971**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:50:00 घंटे**
इष्ट	36:50:08 घटी
स्थान	**Peth**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:05:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:17:24 घंटे
वेलान्तर	-00:11:11 घंटे
साम्पातिक काल	05:18:54 घंटे
सूर्योदय	07:05:56 घंटे
सूर्यास्त	18:21:40 घंटे
दिनमान	11:15:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:31:30 मकर
लग्न के अंश	26:40:29 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:40:29	346:07:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			मक	07:31:30	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	29:35:04	12:48:56	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	05:40:19	00:37:49	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			धनु	13:34:49	01:07:07	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	07:45:00	00:09:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	20:40:42	01:01:20	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			मेष	22:15:30	00:00:28	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	00:23:56	00:02:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:23:56	00:02:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	20:06:14	00:00:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
नेप			वृश्चि	09:06:17	00:01:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	06:08:36	00:00:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृष	27:06:14	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:21

लग्न-चलित

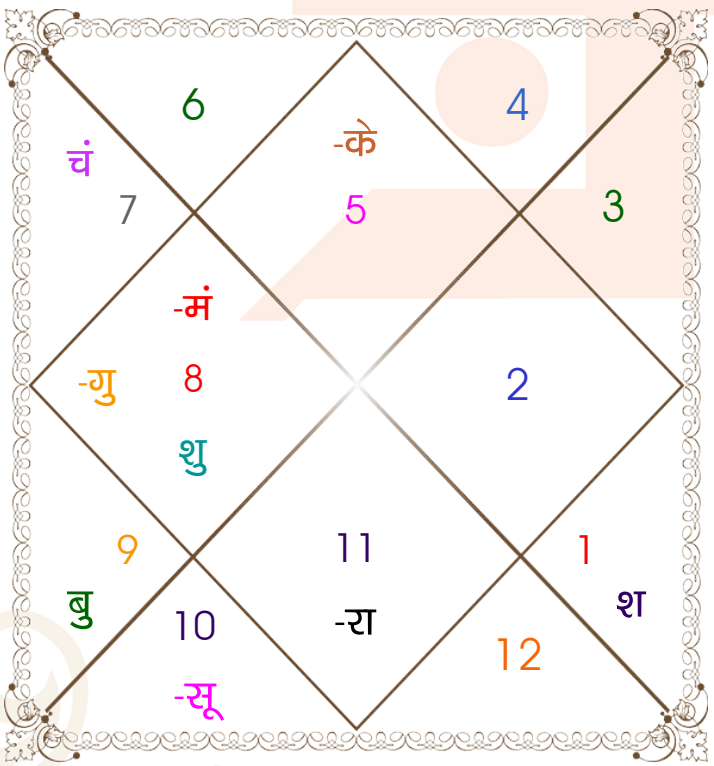

चन्द्र कुंडली

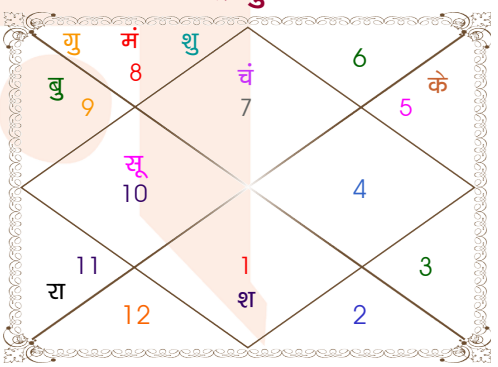

नवमांश कुंडली

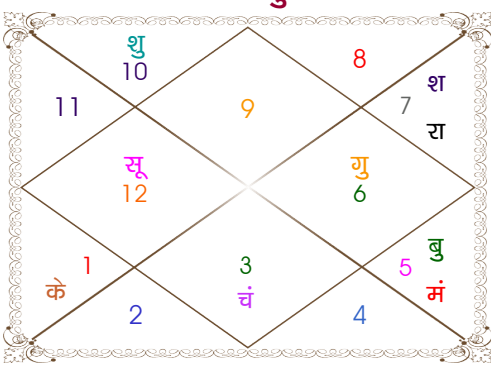

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 5 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/01/1971		23/07/1975		22/07/1994		23/07/2011		22/07/2018	
23/07/1975		22/07/1994		23/07/2011		22/07/2018		22/07/2038	
	00/00/0000	शनि	25/07/1978	बुध	18/12/1996	केतु	19/12/2011	शुक्र	21/11/2021
	00/00/0000	बुध	03/04/1981	केतु	15/12/1997	शुक्र	17/02/2013	सूर्य	21/11/2022
	00/00/0000	केतु	13/05/1982	शुक्र	15/10/2000	सूर्य	25/06/2013	चंद्र	22/07/2024
	00/00/0000	शुक्र	13/07/1985	सूर्य	21/08/2001	चंद्र	24/01/2014	मंगल	21/09/2025
	00/00/0000	सूर्य	25/06/1986	चंद्र	21/01/2003	मंगल	22/06/2014	राहु	21/09/2028
	21/01/1971	चंद्र	24/01/1988	मंगल	18/01/2004	राहु	10/07/2015	गुरु	23/05/2031
चंद्र	22/03/1972	मंगल	04/03/1989	राहु	06/08/2006	गुरु	15/06/2016	शनि	22/07/2034
मंगल	26/02/1973	राहु	09/01/1992	गुरु	11/11/2008	शनि	25/07/2017	बुध	22/05/2037
राहु	23/07/1975	गुरु	22/07/1994	शनि	23/07/2011	बुध	22/07/2018	केतु	22/07/2038

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/07/2038		22/07/2044		22/07/2054		22/07/2061		23/07/2079	
22/07/2044		22/07/2054		22/07/2061		23/07/2079		00/00/0000	
सूर्य	09/11/2038	चंद्र	22/05/2045	मंगल	18/12/2054	राहु	03/04/2064	गुरु	09/09/2081
चंद्र	10/05/2039	मंगल	21/12/2045	राहु	06/01/2056	गुरु	28/08/2066	शनि	22/03/2084
मंगल	15/09/2039	राहु	22/06/2047	गुरु	12/12/2056	शनि	04/07/2069	बुध	28/06/2086
राहु	09/08/2040	गुरु	21/10/2048	शनि	21/01/2058	बुध	21/01/2072	केतु	04/06/2087
गुरु	28/05/2041	शनि	22/05/2050	बुध	18/01/2059	केतु	08/02/2073	शुक्र	02/02/2090
शनि	10/05/2042	बुध	22/10/2051	केतु	16/06/2059	शुक्र	08/02/2076	सूर्य	21/11/2090
बुध	17/03/2043	केतु	22/05/2052	शुक्र	15/08/2060	सूर्य	02/01/2077	चंद्र	21/01/2091
केतु	23/07/2043	शुक्र	21/01/2054	सूर्य	21/12/2060	चंद्र	04/07/2078		00/00/0000
शुक्र	22/07/2044	सूर्य	22/07/2054	चंद्र	22/07/2061	मंगल	23/07/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।